

[श्री हरीश कुमार गंगवार]

मेरे साथी, श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी ने कहा है कि राष्ट्रपति अपने अभिभाषण में नियोजन का जिक्र करना भूल गये। मेरा खयाल है कि चौधरी चरण सिंह और श्री राजनारायण भूल गये। वे लोग परिवार नियोजन के कारण कांग्रेस सरकार को हटा पाये थे। इसलिए जहाँ जहाँ नियोजन शब्द लगा था, चौधरी चरण सिंह और श्री राज नारायण उसको भूल गये कि कहीं हमारी सरकार भी इस नियोजन से न चली जाये। योजना बनाने की बात तो दूर, उन्होंने नियोजन शब्द ही नहीं रखा।

मैं जहाँ से चुन कर आता हूँ, वहाँ बीस हजार बंगाली शरणार्थी बसे हुए हैं। वे शहर से कम से कम चालीस मील दूर, शारदा नदी के पार और दस पंद्रह मील दूर बसे हुए हैं। उनकी फूस की झोपड़ियाँ हैं, बांस के टट्टर बंधे हुए हैं। न उनके पक्के मकान हैं, न पाठशाला या स्कूल हैं, न डाकखाने खुले हुए हैं और न कोई सड़कें ही हैं। केन्द्र से जो सहायता मिलती थी, जनता पार्टी की सरकार ने ढाई साल से उसको बन्द कर रखा है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि वह इन शरणार्थियों की, जिनमें पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग भी हैं, समस्याओं का हल तुरन्त करें। उन को ग्राण्ट दें और जो पुर्वांचल में रेलवे लाइन अंग्रेजों के जमाने में पड़ी हुई थी, वह बाद में उठा ली गई थी, उस से जनता को बड़ी परेशानी है। यह क्षेत्र शाहजहांपुर जिले में पड़ता है उस का सर्वे हो चुका है। उस रेलवे लाइन को फिर से ढाला जाना चाहिए।

अन्त में, मैं एक शेर पढ़ देना चाहता हूँ —

जो हो तारीफ़ कम है इन्दिरा तेरी सियासत की,
यह देसाई की अर्थी जा चुकी है या कि तिजारत की।

मैं आप का और माननीय विरोधी दल के सदस्यों का भी बहुत आभारी हूँ कि मुझे बोलने का भरपूर मौका दिया। धन्यवाद।

18.00 hrs.

ANNOUNCEMENT RE: CANCELLATION OF LUNCH BREAK

MR. SPEAKER: A suggestion was made today that in order to make more time available for the discussion on the Motion of Thanks, lunch recess might be dispensed with tomorrow, 29 January, 1980. If the House agrees, we may agree to the suggestion.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

MR. SPEAKER: Accordingly, there will be no lunch recess tomorrow.

I would also like to state that Members may please conclude their speeches on the Motion of Thanks on 29 January and the Prime Minister would reply to the Debate on the Motion on 30 January, 1980.

If the House so desires, we may continue for half-an-hour more now.

SEVERAL HON. MEMBERS: No.

MR. SPEAKER: All right.

18.02 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, January 29, 1980/Magha 9, 1901 (Saka).